महत्वपूर्ण एवं खास

बलात्कारी हत्यारे को फांसी की मांग

रायपुर (आरएनएस)। सूरजपुर में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना, जिसमें 12वीं की छात्रा का बलात्कार कर फ ांसी पर लटका देने का जघन्य कृत्य पर बेटी बचाओ मंच ने आक्रोश व्यक्त किया है। मंच के प्रदेश अध्यक्ष ललित मिश्रा, प्रदेश महासचिव भारती अवतार शर्मा, परिक्षेत्र अध्यक्ष रत्ना शर्मा, शशि यादव, दुर्गा सोनबेर, कृष्णा वर्मा, अंजलि यदु ,शोभा तिवारी, रागिनी राजपूत ,शिखा शर्मा, नीलम खान, नलिनी रेडी, सुनीता मेश्राम, गीता विश्वकर्मा ने सूरजपुर क्षेत्र अंतर्गत भटगांव थाना की सजगता के साथ आरोपियों की गिरफ्तारी पर संतोष व्यक्त किया है। मंच अध्यक्ष ललित मिश्रा ने इस प्रकरण पर फ ांसी की सजा मुकर्रर हो सके , ऐसी केस डायरी पर्याप्त साक्ष्य सहित तैयार करने की मांग सूरजपुर के पुलिस अधीक्षक तथा संबंधित थाना प्रभारी से की है।

ढाबा में लगी आग, सिलिंडर हुआ ब्लास्ट, 50 हजार नकद समेत दो बाइक जली

भिलाई (आरएनएस)। नंदिनी अहिवारा के पथरिया चौक के पास स्थित ढाबा को रेवती निषाद नाम की महिला संचालित करती है। रविवार की रात लगभग आठ बजे ढाबा में आग लग गई। ढाबा में एक गैस सिलिंडर, दो बाइक, एक फ्रीज और करीब 50 हजार रुपये नकद रखा हुआ था। आग पहले ढाबा में लगी। इससे अंदर रखा गैस सिलिंडर ब्लास्ट हुआ। सिलिंडर फटने से बगल में स्थित जूते चप्पल की दुकान में भी आग लग गई। वहां पर करीब डेढ़ लाख रुपये का जूता चप्पल रखा हुआ था। आग लगने की जानकारी मिलने पर नगर सेना की फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। इस घटना में तीन से चार लाख रुपये का नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। आगनी का कारण ढाबे के चूल्हे में आग होना या फिर शार्ट सर्किट के चलते ये हादसा होना बताया जा रहा है।

हाथियों ने तोड़े मकान

कोरबा (आरएनएस)। वन विभाग के कर्मचारी अपनी 12 सूत्रिय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए है। जिससे हाथी प्रभावित क्षेत्रों में ग्रामीणों के जानमाल की सुरक्षा भगवान भरोसे हो गई है। वहीं जिले के कटघोरा वनमंडल के केंदई रेंज अंतर्गत कोरबी सर्किल में मौजूद हाथियों के दल ने उत्पात मचाना शुरू कर दिया है। बीती रात हाथियों का दल सर्किल के ग्राम खडफ़ड़ी पारा में पहुंच गया और उत्पात मचाते हुए बाहरी क्षेत्र में स्थित कच्चे घरों को तोड़ दिया। हाथियों के उत्पात से ग्रामीण सहमे रहे। वन विभाग के कर्मचारियों की हड़ताल के कारण उन्हें स्वयं हाथियों से दो-चार होना पड़ा। ग्रामीणों ने किसी तरह हाथियों के दल को किसी तरह गांव से खदेड़ा और इसकी जानकारी वन विभाग के अधिकारियों को दी, जिस पर वन विभाग के अधिकारी खडफ़ड़ी पारा रवाना हो गया है। वे वहां पहुंचने के साथ हाथियों द्वारा किये गए नुकसानी का सर्वे करेंगे और रिपोर्ट तैयार कर डिविजन को सौंपेंगे।

नक्सलियों ने 14 जगह से काटी सडक़, जवानों ने 2 घंटे में सडक़ को पाटा, किया आवागमन बहाल

बीजापुर (आरएनएस)। कुटरू थाना क्षेत्र के अंतर्गत सोमवार को नक्सलियों ने कुटरू - बेदरे सडक़ को 14 जगह से काट दिया। जिसके कारण आवागमन पूरी तरीके से बाधित हो गया। इसकी जानकारी जैसे ही पुलिस के आलाअधिकारियों को मिली तो एडिशनल एसपी पंकज शुक्ला व कुटरू एसडीओपी अभिनव उपाध्याय जवानों के साथ मौके पर पहुंचे और बड़ी मुस्तेदी के साथ 2 घंटे के भीतर ही सडक़ को पाट दिया और आवगमन पूरी तरीके से बहाल कर दिया। नक्सलियों ने जिस जगह पर सडक़ काटी उसी जगह पर ही पर्चे भी फेंके है।

मुख्यमंत्री का 17 राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पत्र, जीएसटी क्षतिपूर्ति जारी रखने केंद्र से साझा आग्रह का अनुरोध

❍ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्यों को गिनाई जीएसटी क्षतिपूर्ति बंद होने की हानियाँ, कहा-केंद्र से एक साथ करें बात

रायपुर (आरएनएस)। केंद्र सरकार द्वारा जून 2022 के बाद से राज्यों को जीएसटी क्षति पूर्ति की राशि न देने के निर्णय पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 17 राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखा है। उन्होंने पत्र के माध्यम से केंद्र के इस निर्णय से राज्यों को होने वाली हानियों पर चर्चा की है। मुख्यमंत्री बघेल ने उड़ीसा, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, गुजरात, झारखंड, राजस्थान, पंजाब, बिहार, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, आंध्रप्रदेश, हैदराबाद, तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, तेलंगाना और दिल्ली जैसे राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पत्र भेजा है। इस पत्र में बघेल ने 17 राज्यों के मुख्यमंत्रियों से केंद्र सरकार से क्षतिपूर्ति दस वर्ष तक जारी रखने का साझा आग्रह करने का अनुरोध किया है, ताकि राज्यों के राजस्व को भारी हानि होने से बचाया जा सके और जीएसटी क्षतिपूर्ति जारी रखने अन्यथा वैकल्पिक व्यवस्था बनाई जा सके।

मुख्यमंत्री बघेल ने इसमें राज्यों के मुख्यमंत्रियों से चर्चा करते हुए तीन बिंदुओं में अपनी बात रखी है, जिसमें उन्होंने कहा है कि केंद्रीय वित्त मंत्री की अध्यक्षता में 29 दिसंबर, 2021 को नई दिल्ली में राज्यों के मुख्यमंत्रियों और वित्त मंत्रियों के साथ बजट-पूर्व बैठक

में छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों ने जून 2022 में समाप्त होने वाले जीएसटी मुआवजे पर चिंता व्यक्त की थी और केंद्र सरकार से इसे और 5 साल के लिए बढ़ाने का अनुरोध किया, जबकि इस मामले में सभी राज्य केंद्र सरकार से सकारात्मक निर्णय की उम्मीद रखते हैं।

दूसरे बिंदु में उन्होंने कहा है कि छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश जैसे मैन्युफैक्चरिंग राज्यों के लिए जीएसटी क्षतिपूर्ति नहीं मिलना एक बड़ा वित्तीय नुकसान होगा। वि-निर्माण राज्य होने के नाते, देश की अर्थव्यवस्था के विकास में हमारा योगदान उन राज्यों की तुलना में बहुत अधिक है, जिन्हें वस्तुओं और सेवाओं की अधिक खपत के कारण जीएसटी शासन से लाभ हुआ है। यदि जीएसटी क्षतिपूर्ति जून 2022 से आगे जारी नहीं रखा गया, तो छत्तीसगढ़ भारी राजस्व नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। आगामी वित्तीय वर्ष में लगभग 5,000 करोड़ का नुकसान हो सकता है। ठीक इसी तरह दूसरे राज्यों को भो आगामी वित्तीय वर्ष में राजस्व प्राप्तियां कम होगी।और राज्यों को इस समस्या से जनहित के कार्यों और विकास कार्यों के लिए पैसों की व्यवस्था करना बहुत कठिन हो जाएगा।

तीसरे बिंदु में बघेल ने बताया है कि जीएसटी व्यवस्था की शुरुआत के बाद टैक्स नीति पर राज्यों की स्वतंत्रता बहुत कम हो गई है। वाणिज्यिक टैक्स के अलावा, राज्यों के पास टैक्स राजस्व की अन्य मदों में राजस्व बढ़ाने के लिए विकल्प नहीं बचे हैं। इसलिए, अर्थव्यवस्था पर कोविड-19 के दुष्प्रभाव से उबरने के लिए और राज्यों को जीएसटी का यथोचित लाभ मिलने तक, राज्यों को केंद्र सरकार से अनुरोध करना चाहिए कि वह कम से कम अगले 5 के लिए जीएसटी की कमी के लिए क्षतिपूर्ति के मौजूदा तंत्र को जारी रखे। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विश्वास जताया कि राज्य उनकी बात से सहमत होंगे और एक साथ इस मुद्दे पर केंद्र से सहमति का साझा अनुरोध करेंगे।

अखिल भारतीय डाक कर्मचारी संघ एवं ग्रामीण डाक सेवक संघ का दो दिवसीय हडताल प्रारंभ

कोरबा। केन्द्र सरकार की मजदूर किसान एवं कर्मचारी विरोधी नीतियों के विरोध मे राष्ट्रीय ट्रेड यूनियन के राष्ट्रीय आव्हान पर अखिल भारतीय डाक कर्मचारी संघ एवं ग्रामीण डाक सेवक संघ बिलासपुर संभाग के अंतर्गत जिला कोरबा के अंतर्गत डाक कर्मचारी अपनी दो दिवसीय हडताल पर चले गए है जिससे पूरी डाक व्यवस्था ठप्प पड गई है।

कोरबा प्रधान डाकघर के दरवाजे प्रधान के दरवाजे खुले हैं लेकिन कर्मचारीयो के हडताल से काम बंद है वैसे कोरबा जिले मे प्रतिदिन लगभग दस करोड़ रुपये का लेनदेन प्रभावित हुआ है वैसे भी मार्च माह में अंतिम समय मे बहुत ज्यादा लेनदेन होता है जो दस करोड़ रुपये से ज्यादा का लेनदेन प्रभावित हो गई है डाक विभाग के सभी उप डाकघर कुछ शाखा डाक घर को प्राय: सभी ब्रांच डाक घर बंद है कर्मचारियों की मांग नई पेंशन योजना को रद्द कर पुरानी पेंशन योजना को बहाल की जावे सरकारी कंपनियों का निजीकरण एवं फेंचाइजी आउट लेट खोलना बंद करे डाक मित्र योजना बंद करे यूनियन पर प्रतिबंध लगाना बंद करें सभी पोस्ट आफिसो मे स्थिर एवं फास्ट एन पी एस कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें जी डी एस कर्मचारियों के संदर्भ में कमलेश चन्द्र कमेटी की सिफारिशें लागू करे प्रमोशन मेडिकल एवं इंश्योरेंस इत्यादि पार्सल स्पीड पोस्ट की सेंट्रल डिलीवरी सेंटर को बंद करने कोविड-19 से मृत कर्मचारियों के परिवार को दस लाख रूपये आर्थिक सहायता दी जावे अनुकम्पा नियुक्ति 18 महीने के डी ए एरियर प्रदान करने सहित अ_रह मांगो को लेकर हडताल की जा रही है हडताल सफल है। इस हडताल को सफल बनाने विभिन्न कर्मचारी संगठनों से डाक कर्मचारी संघ बिलासपुर के अध्यक्ष बिजय कुमार दुबे पूर्व प्रधान डाक पाल एम आर कुरे ललित पटेल नितिश फिलिप्स सुरेश कुमार बंजारे अंकित पांडेय जी एन सिंह जी एल भास्कर भुनेश्वर जोगी सनत पांडेय सुखदेव सिंह कैवर्त बाबूराम पोर्ते दिलेराम शिवकुमार मिश्रा आदि कर्मचारी उपस्थित थे जो अपनी हक की मांगो के लिए आवाज बुलंद के साथ श्रमिक बिरोधी नीति के लिए खूब नारेबाजी की गई वहीं कोरबा पुलिस अधीक्षक भोजराज पटेल के निर्देशन पर टी आई कोरबा घूम घूम कर ज्याजा लिया गया एवं यूनियन के प्रमुख पदाधिकारी विजय दुबे एवं ललित पटेल से हडताल के संबंध में पूछताछ की गई जिनको शांतिपूर्ण ढंग से हडताल के बारे मे बताया गया वही सुरक्षा बलसहित पुलिस के कर्मचारी पूरे समय मौजूद है।

नक्सलियों ने बैनर पर्चे लगाकर ओरछा मार्ग को दूसरी बार बंद किया

नारायणपुर (आरएनएस)। जिले के ओरछा मार्ग पर नक्सलियों ने झोरी जोड़ान और टेकानार बीच पत्थर रखकर इस मार्ग को दूसरी बार बंद कर दिया है, जिसके चलते आज सुबह ओरछा से आ रही यात्री बस वापस लौट गई। वहीं नक्सलियों ने घटनास्थल पर बैनर पर्चे लगाकर शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु अमर शहीदों की याद में शहीद सप्ताह मनाने और साम्राज्यवादियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने की बातें लिखी है। गौरतलब है कि अबूझमाड के इलाके में ओरछा से दो किलोमीटर की दूरी पर में नक्सलियों ने 23 मार्च को ओरछा मार्ग को खोदकर क्षतिग्रस्त करते हुए बड़ी मात्रा में बैनर पोस्टर लगाकर बंद कर दिया था। आज पुन: मार्ग में पत्थर रखकर बैनर पोस्टर लगाकर ओरछा मार्ग को बंद कर दिया है। नक्सलियों के लिए सबसे सुरक्षित पनाहगाह में नक्सली हलचल के अनेक मायने निकाले जा रहे हैं।

हड़ताली वन कर्मचारियों को मिला जोगी कांग्रेस का समर्थन

कोरबा। वेतन विसंगति दूर करने सहित 12 सूत्रीय मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन करने रह वन कर्मचारियों का छत्तीगढ़ जोगी कांग्रेस ने समर्थन किया। पार्टी के जिला अध्यक्ष रामसिंह अग्रवाल ने प्रदर्शन स्थल पर पहुंच कर हड़तालियों का उत्साह बढ़ाया।

वन कर्मचारियों को संबोधित करते हुए जोगी कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कर्मचारियों की मांगे स्वाभाविक हैं। राज्य शासन को पूरा करने में देर नहीं करना चाहिए। उन्होने कहा कि वनकर्मचारियों की मांग के सामने सरकार को झुकना ही होगा। बताना होगा कि वन कर्मचारी सप्ताह भर धरना प्रदर्शन पर बैठे है। प्रदर्शन में विविधता देखी जा रही हैं। तीन दिन पहले कर्मचारियों शासन की मानसिक शुद्धि के लिए यज्ञ हवन किया। इसके बाद संगठन के महिला कर्मचारियों ने मांग पूरा करने संबंधित नारे मेंहदी से हाथों में लिखकर सरकार को उसके वादे याद दिलाए। प्रदर्शन की अगली कड़ी में शनिवार नुक्कड़ नाटक और ढोल ताशे बजाकर सरकार का अपनी मांग के प्रति ध्यान आकृष्ट कराया। कटघोरा में प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने पाली.-तानाखार विधायक मोहित केरकेट्टा को मुख्यमंत्री के नाम पत्र सौंपा गया, जिसमें मांग पूरा करने का आग्रह किया गया।

तुंहर पुलिस तुंहर द्वार योजना के तहत एसपी पहुंचे बगबुड़ा, ग्रामीण की सुनी समस्या

कोरबा। प्रशासनिक स्तर पर ग्रामीण इलाकों में शिविर लगा कर समस्याएं सुन उसका निराकरण करने की योजनाएं सुनी होगी। पहली बार कोरबा पुलिस ने घर पहुंच कर लोगों की शिकायत लेना शुरू किया है। तुंहर पुलिस तुंहर द्वार योजना के तहत एसपी भोजराम पटेल ग्राम बगबुड़ा पहुंचे और ग्रामीण की समस्या सुन कर स्थल पर ही निराकरण किया।

आमतौर पर फरियादी अपनी शिकायतें लेकर पुलिस थाने पहुंचते हैं, पर कोरबा में घर.घर जाकर लोगों की शिकायतें सुनने व निराकरण करने के लिए एसपी पटेल ने तुंहर पुलिस तुंहर द्वार कार्यक्रम की शुरूआत की। पहले दिन रविवार को एसपी पटेल बगबुड़ा गांव पहुंचे। गांव में घर-घर दरवाजा खट-खटाकर ग्रामीणों की समस्याएं पूछी। इस दौरान गांव के निवासी श्याम लाल ने उन्हे बताया कि वह अपने घर के बगल में शासकीय मद से स्वीकृत शौचालय का निर्माण करा रहा है पर पड़ोसी जबरन काम बंद कराने पर तुला है। पट्टे की भूमि में निर्माण कार्य करने का आरोप लगाते हुए परेशान कर रहा है। एसपी ने स्थल का निरीक्षण किया और दोनों पक्ष व पंचों से बात कर दोनों को आपस में सुलह कराया।

एसपी पटेल ने बताया कि थानों में आमजनता की शिकायतों के निराकरण में समय लगता है, कई बार जनता पुलिस कार्रवाई से संतुष्ट नहीं रहती। इसलिए नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा, नगर पुलिस अधीक्षक दर्री व एसडीओपी कटघोरा के अधीन एक-एक मोबाइल वाहन तैनात किया गया है। इसमें एक पुलिस अधिकारी और सहायक नियुक्त किया गया है। संबंधित पुलिस अनुविभागीय अधिकारी थानों में लंबित शिकायतों की सूची की समीक्षा कर मोबाइल वाहन में तैनात अधिकारी को उस गांव में भेजेंगे, जहां शिकायतों की संख्या अधिक है या गंभीर किस्म की शिकायत है। मोबाइल वाहन में तैनात अधिकारी उन गांवों में जाकर मौके पर दोनों पक्षों को बुलाकर शिकायतों का जांच करेंगे। साथ ही पुलिस कार्रवाई योग्य मामलों में मौके पर ही अपराध दर्ज किया जाएगा।

शराबी पिता ने लात घूसे से मारकर की मासूम बच्चे की हत्या, गिरफ्तार

गरियाबंद (आरएनएस)। शराब के नशे में न जाने लोग क्या-क्या कर जाते है। आज एक शराबी निर्दयी पिता ने महज पांच वर्ष के मासूम अपने पुत्र को शराब के नशे मे हाथ पैर घूसो से इतना मारा कि जब पुत्र की जान निकल गई तब उसे घर के भीतर कमरे में गढ्ढे खोदकर दफनाने जा रहा था कि अचानक परिजन पहुंच गये। परिजनो को सामने अचानक देखकर आरोपी पिता फरार हो गया। इसकी जानकारी मैनपुर थाना में आकर ग्रामीणो के द्वारा दी गई। मैनपुर थाना पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम ठेमली निवासी आरोपी रोहित कुमार ध्रुव बहुत ज्यादा शराब पीने का आदि था और आये दिनों शराब के नशे में अपने बच्चो व पत्नि के साथ मारपीट गाली गलौच करता था। आरोपी रोहित कुमार ने प्रतिदिन की तरह 26 मार्च रात को अपनी पत्नि एवं बच्चो के साथ मारपीट और गाली गलौच किया। जिससे पत्नि अपने दो बच्चे एक पुत्री और एक पुत्र को अपने साथ रिश्तेदार के घर रहने रात में चली गई। रविवार सुबह आरोपी रोहित कुमार ध्रुव फिर जमकर शराब पीया और अपने पुत्र संदीप कुमार ध्रुव को रिश्तेदार के घर से बुलाया तो पांच वर्ष के मासूम पुत्र ने पिता के साथ जाने से मना कर दिया। इसके बावजूद आरोपी ने बच्चे को जबर्दस्ती अपने साथ घर ले गया और घर में ले जाकर ताबड़तोड़ अपने मासूम पुत्र को हाथ लात घूसो से मारने लगा। आरोपी तब तक मासूम बच्चे को मारा जब तक उसकी जान न निकल गई और उसके मासूम पुत्र संदीप के मौत हो जाने पर उसे घर के कमरे के भीतर गढ्ढा खोदकर आधा दफना चुका था।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसमर्पण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कुo सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुरे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मूलभावना कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित विशेष कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समस्त उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए ..... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

खदानों में रहा कामकाज सामान्य, कुछ स्थानों पर दिखा हड़ताल का असर

कोरबा। उदारवादी नीतियों सहित कई मुद्दों को लेकर केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आवाहन पर बुलाई गई 2 दिन की हड़ताल आज से शुरू हो गई। औद्योगिक जिला कोरबा में कई खदानों में कामकाज सामान्य रूप से चलने की खबर है जबकि कुछ स्थानों पर हड़ताल का असर दिखा और कामकाज रुका। बैंक और बीमा कर्मचारियों ने भी हड़ताल को समर्थन देते हुए प्रदर्शन किया। परिस्थितियों पर नजर रखने के लिए पुलिस बल आसपास में सक्रिय रहा। ट्रेड यूनियनों का आरोप है कि केंद्र सरकार श्रमिक विरोधी नीतियों को थोप रही है। प्राइवेटाइजेशन के साथ साथ निजी कंपनियों को प्रवेश देने के रास्ते साफ किये जा रहे है। यह कदम श्रमिक हित में नहीं है। मांग की जा रही है कि इस पर पुनर्विचार करने की जरूरत है। भारतीय मजदूर संघ को छोडक़र चार श्रमिक संघों ने 28 और 29 मार्च को हड़ताल का आह्वान किया। कोल से–टर के साथ सार्वजनिक उपक्रमों को इसमें शामिल करने की घोषणा की गई। हालांकि आह्वान भारत बंद का भी था लेकिन यह पूरी तरह बेअसर रहा। कोल इंडिया की लाभकारी कंपनी एसईसीएल की कोरबा जिले में स्थित खदानों में हड़ताल का मिश्रित असर रहा। यद्पि संगठनों ने सफलता के लिए अपनी ओर से कोशिश की लेकिन प्रबंधन ने भी उत्पादन और अन्य गतिविधियों को पटरी पर बनाए रखने के लिए भरपूर मशक्कत की। दोनों के अपने-अपने तर्क रहे और रणनीति भी। हड़ताल से –या कुछ हासिल होना है, यह विमर्श का विषय हो सकता है। लेकिन वृहद राष्ट्रीय हितों के हवाले से कहा जा रहा है कि बार-आर उत्पादन ठप करना श्रमिक मामलों को लेकर बेहतर नहीं है।

मानिकपुर,रजगामार सरईपाली में उत्पादन:-एसईसीएल कोरबा क्षेत्र के एपीएम एके पटनायक ने बताया कि मानिकपुर, सरईपाली और रजगामार में शत प्रतिशत उत्पादन चल रहा है। अन्य भूमिगत खदानों में बाधा हुई है। कुसमुंडा क्षेत्र से भी इसी प्रकार की खबर प्रबंधन ने उपल<?>ध करायी है। गेवरा और दीपका क्षेत्र में कई कारणों से पहले से ही समस्याएं है। इन सबके बावजूद अपने हितों को लेकर गंभीर काफी कर्मचारियों ने हड़ताल से पर्याप्त दूरी बनाए रखने में समझ का प्रदर्शन किया। एक दिन पहले ही एसईसीएल के सीएमडी प्रेमसागर मिश्रा ने मौजूदा परिस्थितियों को लेकर श्रमिकों से अपील की थी। इसने भी अपना सकारात्मक असर दिखाया।

दीपका में स्थिति सामान्य:-एसईसीएल दीपका प्रोजे–ट में प्रथम पाली में 291 कर्मी पंजीकृत हैं। इनमें से 152 ने उपस्थिति दर्ज करायी। जबकि जनरल सिप्ट में उपस्थिति का आंकड़ा 474 का रहा। इसमें 760 की ड्यूटी है। प्रबंधन ने बताया कि आज की स्थिति में 31 कर्मी अवकाश पर हैं। जबकि 247 की अलग-अलग कारण से अनुपस्थिति हुई। इस तरह 52 फीसदी कर्मियों ने कार्यस्थल पर सुनिश्चित की। वहीं गेवरा परियोजना में जनरल सिप्ट में 1307 में से 527 कर्मी मौजूद रहे। वहीं प्रथम पाली में 534 में से 165 की उपस्थिति दर्ज हुई। प्रबंधन ने बताया कि 30 से 40 फीसदी कर्मचारियों ने कामकाज किया है। दीपका में उत्पादन पर बहुत ज्यादा असर नहीं पड़ा। गेवरा में स्थिति कुछ गंभीर रही।

तीन स्थानों पर लगे टेंट:-हमेशा हड़ताल के समय सभी इकाईयों में कामगारों के द्वारा गेट के सामने टेंट लगाये जाते रहे हैं। लेकिन इस बार कई इकाईयों में टेंट नहीं लगाए गए। मात्र तीन स्थानों में ही टेंट के नीचे प्रतिनिधी काम करते रहे। सिंघाली में रमेश परिहार, श्याम सुंदर सिंह, शमीम खान, ढेलवाडीह में धर्माराव व सुरेंद्र मिश्रा के नेतृत्व में कामगार काम कर रहे थे। जबकि बगदेवा में अशोक सिंह सहित चार यूनियन के प्रतिनिधि सक्रिय रहे।